



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 224]
No. 224]

नई दिल्ली, सोमवार, दिसम्बर 30, 1996/पौष 9, 1918
NEW DELHI, MONDAY, DECEMBER 30, 1996/PAUSA 9, 1918

वाणिज्य मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 30 दिसम्बर, 1996

प्रारम्भिक जाँच परिणाम

—जर्मनी और कोरिया गणराज्य मूल के या वहाँ से निर्यातित एन. बी. आर. के आयातों से संबंधित प्रति-पाटन जाँच-प्रारम्भिक जाँच-परिणाम।

१. 9/1/95-ए. डी. डी.—वर्ष 1995 में यथासंशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 और उसके सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं पर शुल्क की पहचान, आकलन और वसूली एवं क्षति का निर्धारण) नियम, 1995 को देखते हुए—

क. प्रक्रिया

2. नीचे बताई गई प्रक्रिया अपनाई गई है :

- (i) उपर्युक्त नियमों के अन्तर्गत निर्दिष्ट प्राधिकारी (इसके बाद प्राधिकारी के रूप में उल्लेख किया जाएगा) को मैसर्स गुजरात अपर पालीमर्स लिमि. मुम्बई से षरेलू उद्योग की ओर से फेजल रिपब्लिक आफ जर्मनी और रिपब्लिक आफ कोरिया (इसके बाद क्रमशः जर्मनी और कोरिया के रूप में उल्लेख किया जाएगा) से उद्गम वाले या वहाँ से निर्यातित एन. बी. आर. के कथितपाटन का आरोप लगाते हुए लिखित अनुरोध प्राप्त हुए।
- (ii) ऊपर के नियम 5 के उप-नियम (5) के अनुसार जाँच की शुरुआत करने के पहले प्राधिकारी ने याचिकाकर्ता द्वारा लगाए गए पाटन के आरोप की प्राप्ति के बारे में जर्मनी और कोरिया के दूतावास को सूचित किया।
- (iii) प्राधिकारी ने सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 की अनुसूची-1 के शीर्षक 4002.59 और भारतीय व्यापार वर्गीकरण (सुमेलित पण्य विवरण और कोडिंग व्यवस्था पर आधारित) की सं. 4002.59.00 के अन्तर्गत वर्गीकृत जर्मनी और कोरिया मूल के या वहाँ से निर्यात किए गए एन. बी. आर. के आयातों के संबंध में प्रतिपाटन कार्यवाही शुरू करने वाली सार्वजनिक अधिसूचना दिनांक 15 मार्च, 1995 को भारत के असाधारण राजपत्र में प्रकाशित कराई और जारी की।

- § 1V§ प्राधिकारी ने ज्ञात निर्यातकों, आयातकों, औद्योगिक संघों और शिकायतकर्ताओं को सार्वजनिक सूचना की प्रतिलिपि अग्रेषित की और लिखित रूप में अपना विचार व्यक्त करने और मौखिक सुनवाई का निवेदन करने का उन्हें अवसर दिया ।
- § 1V§ ऊपर के नियम 6 के उप नियम 33 के अनुसार प्राधिकारी ने सभी ज्ञात निर्यातकों और जर्मनी और कोरिया के दूतावास को याचिका की प्रति उपलब्ध कराई । आयातकों को भी याचिका की प्रति अनुरोध के अनुसार दी गई ।
- § 1V§ प्राधिकारी ने सम्बद्ध सूचना प्राप्त करने के लिए निम्नांकित निर्यातकों को प्रश्नावली भेजी :
- कोरिया कुम्हो पेट्रोकेमिकल कम्पनी लिमि., कोरिया;
 - कुम्हो एण्ड कम्पनी, कोरिया;
 - बेयर एजी, जर्मनी;
- § 1V§ जाँच शुरू करने के बारे में नई दिल्ली में जर्मनी और कोरिया के दूतावासों को भी सूचित कर दिया गया और उनसे अनुरोध किया कि वे निर्धारित समयावधि के अन्दर अपने-अपने देश के निर्यातकों/उत्पादकों को प्रश्नावली का उत्तर देने की सलाह दें । निर्यातकों को भेजी गई याचिका पत्र और प्रश्नावली की प्रति दूतावासों को भी भेजी गई ।
- § 1V§ प्रश्नावली का उत्तर निम्नांकित दारा प्रस्तुत किया गया :
- मेसर्स
-
- कोरिया कुम्हो पेट्रोकेमिकल कम्पनी, कोरिया,
 - बेयर ए.जी. जर्मनी,
 - बेयर इण्डिया लिमि. मुम्बई,
 - ऋषिरूप पालीमर्स प्रा. लिमि., मुम्बई,
 - गोल्डन रोल्ल्स प्रा. लि., दिल्ली,
 - वाको सलि, मुम्बई,
 - पुनीत रेजिन प्रा. लि. मुम्बई,
 - लाथिया इण्डस्ट्रियल सप्लायज कम्पनी प्रा. लिमि., अहमदाबाद,
 - इनराको लिमि., मुम्बई,
 - जेनिथ रबड एण्ड प्लास्टिक वर्क्स, मुम्बई,
 - प्रेसीजन रबड इण्डस्ट्रीज प्रा. लि., मुम्बई,
 - मार्क्विल होज इण्डस्ट्रीज प्रा. लि., मुम्बई,
- § 1x§ दिनांक 12 जून, 1996 को प्राधिकारी दारा आयातकों, निर्यातकों, याचिकाकर्ता, अन्य रूचुक पक्षों और

जर्मनी तथा कोरिया के दूतावास को मौका देने के लिए सार्वजनिक सुनवाई की गई । इस सुनवाई में निम्नांकित ने भाग लिया :

मैसर्स

- गुजरात अपर पालिमर्स लिमि., मुम्बई,
- बेयर एजी, जर्मनी अपने अधिकृत प्रतिनिधि मैसर्स बेयर इण्डिया लिमि., मुम्बई की मार्फत
- कोरिया कुम्हो पैट्रोकेमिकल्स कम्पनी लि., अपने अधिकृत प्रतिनिधि मैसर्स ऋषिरूप पालिमर्स प्रा. लि., मुम्बई की मार्फत
- पुनीत रेजिन्स लिमि.,
- इनारको लिमि.,
- प्रेसीजन रबड इण्डस्ट्रीज लिमि.,
- के.के.रबड कं.० आई प्रा. लिमि.,
- पार्कमैन पालीमर इण्डस्ट्रीज,
- श्री वैकटेश्वरिया इण्डस्ट्रीज,
- कैपेक्सल,
- लाथिया इण्डस्ट्रीज सप्लाय कंपनी,
- आल इण्डिया रबड इण्डस्ट्रीज एसोसिएशन,
- अनिल रबड,
- गोल्डन रोल्स प्रा. लिमि.,
- ऑटो सील्स एण्ड रबड इण्डस्ट्रीज प्रा. लिमि.,
- फेडरेशन आफ रबड फुटवियर मैन्युफैक्चरर्स,
- छिन्दुस्तान पालीमर्स,
- बाय्ये कैमिकल्स एण्ड रबड प्रोडक्ट्स,
- ई.आर.सी.एयर लिमि.,
- सिन्थेटिक्स एण्ड कैमिकल्स लिमि.,
- फ्लैक्सो इण्डस्ट्रीज,
- विंको ऑटो इण्ड. लिमि.,
- कोठिनूर इण्डिया लिमि.,

॥ × ॥ उक्त सार्वजनिक सुनवाई में भाग लेने वाली सभी पार्टियों को सलाह दी गयी थी कि वे सार्वजनिक सुनवाई के दौरान व्यक्त किए गए अपने विचार लिखित रूप में प्रस्तुत करें ताकि उन पर जाँच से सम्बद्ध अन्य पक्षों की प्रति-टिप्पणियाँ प्राप्त की जा सकें । पार्टियों द्वारा प्रस्तुत किए गए लिखित निवेदन अन्य पक्ष ॥ पक्षों ॥ को, उनकी टिप्पणियों के लिए, उपलब्ध कराए गए ।

॥ × ॥ प्राधिकारी ने जाँच के लिए आवश्यक समझी गई जानकारी मांगी और उसका सत्यापन किया । इस

विशा में याचिकाकर्ता के मुख्य कार्यालय और फैक्ट्री में भी जांच की गई ।

§×11§ प्राधिकारी ने लागत की जांच की और सामान्य रूप से स्वीकृत लेखा सिद्धान्तों के आधार पर भारत में एन.बी.आर. बनाने और बेचने के लिए अधिकतम उत्पादन लागत तथा लागत निकाली जिससे कि यह सुनिश्चित हो सके कि क्या क्षति को दूर करने के लिए डम्पिंग मार्जिन से कम प्रतिपादन शुल्क लगाना पर्याप्त होगा ।

§×111§ इस जांच में 1 अक्टूबर, 1994 से 31 मार्च, 1995 तक की अवधि कवर की गई ।

ख. याचिकाकर्ता के विचार

याचिकाकर्ता ने निम्नलिखित अनुरोध किए :-

1. याचिकाकर्ता द्वारा वायर किए गए अनुरोध पर प्राधिकारी द्वारा की गई जांच से जापान से एन.बी.आर. के वृद्धि पाटन की पुष्टि हुई और सरकार ने जापान से होने वाले आयातों पर प्रतिपादन शुल्क लगाया है ।
2. अध्याय 40 के अंतर्गत विभिन्न सीमा-शुल्क कोडों के अंतर्गत एन.बी.आर. के आयातों की स्वीकृति दी गई है ।
3. जर्मनी में घरेलू बाजार में एन.बी.आर. का सामान्य मूल्य 2248 यू.एस. डालर प्रति मीट्रिक टन था जिसकी तुलना में भारत में इसका निर्यात 1133 यू.एस. डालर प्रति मीट्रिक टन सी.आई.एफ. का कारखानागत मूल्य 814 यू.एस. डालर प्रति मीट्रिक टन था । इससे यह प्रमाणित होता है कि जर्मनी से एन.बी.आर. का पाटन किया गया ।
4. कोरिया के निर्यातक भारत में एन.बी.आर. का पाटन लम्बे समय से करते आ रहे हैं । कोरिया के घरेलू बाजार में कीमतों को दर्शाने वाले प्रमाण इकट्ठा नहीं कर सका है और उत्पादन की आधार पर सामान्य मूल्य के बारे में विचार किए जाने के लिए प्राधिकारी से अनुरोध किया है । 2075 यू.एस. डालर प्रति मीट्रिक टन के सामान्य मूल्य और 882 यू.एस. डालर प्रति मीट्रिक टन निर्यात मूल्य से कोरिया द्वारा पाटन प्रमाणित होता है ।
5. आयातों में वृद्धि, आयात कीमतों में कमी जैसे विभिन्न कारक और उत्पादन, क्षमता उपेक्षा, बिक्री मात्रा, बिक्री कीमत, वित्तीय हानि इत्यादि जैसे याचिकाकर्ता को प्रभावित करने वाले कारक, याचिकाकर्ता को हुई क्षति के प्रमाण हैं, जो कि जर्मनी और कोरिया द्वारा किए गए आयातों के कारण हुई ।
6. कोरिया से निर्यातों के लिए दोहरी दलाली का भुगतान किया गया, एक बार मैसर्स कोरिया कुम्हो एण्ड कं0 को जिसके माध्यम से कोरिया कुम्हो द्वारा निर्यात किया गया और पुनः भारत में इंडेंटिंग पर्जेंट को किया गया । इसलिए, कारखानागत निर्यात कीमत निकालने के लिए प्राधिकारी को कोरिया से किए गए निर्यात पर 6% कमीशन पर विचार करना चाहिए ।
7. जर्मनी और कोरिया से निर्यातों की उतराई लागत निर्धारित करते समय सीमा शुल्क पर विचार नहीं किया जाना चाहिए । इसके अलावा, घरेलू उद्योग को हुई क्षति की मात्रा निर्धारित करने के लिए प्राधिकारी द्वारा ग्राहक की लागत पर विचार किया जाना चाहिए ।

**ग. निर्यातकों, आयातकों और अन्य ऋणुक
पार्टियों के विचार**

निर्यातकों, आयातकों और अनेक ऋणुक पार्टियों ने प्राधिकारी को उत्तर दिया है और अन्य मुद्दों के अतिरिक्त समान वस्तुओं, सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत, याचिकाकर्ता को क्षति जैसे अनेक मुद्दों को उठाया है। संक्षेप में, ये मुद्दे निम्नानुसार हैं:

क. समान वस्तु के बारे में:

1. एन.बी.आर. एक वस्तु नहीं है बल्कि अनेक वस्तु समूहों के लिए व्यापक शब्द है। एकीलोनीटील बुयडीन रबड़ या नाइट्रिल रबड़ शब्द का उपयोग रबड़ उद्योग में एन.बी.आर. इलास्टोमर्स के वर्ग या किस्म को परिभाषित करने में किया जाता है।
2. बेयर और अपर की प्रौद्योगिकी और उत्पादन प्रक्रिया अलग-अलग है। बेयर द्वारा निर्यात किए गए एन.बी.आर. में उत्पाद संघटन की तुलना न तो इसके पुराने उत्पाद से होती है और न ही याचिकाकर्ता की उत्पाद श्रेणी से। बेयर के एन.बी.आर. और अपर के एन.बी.आर. की फिनिशिंग प्रक्रिया में भी महत्वपूर्ण अंतर है।
3. कोरियाई एन.बी.आर. और बेयर का एन.बी.आर. न तो वैसा उत्पाद है जैसा कि याचिकाकर्ता का एन.बी.आर. और न ही अपर एन.बी.आर. जर्मन या कोरियन एन.बी.आर. का स्थानापन्न है।
4. जर्मनी और कोरिया से आयातित एन.बी.आर. और याचिकाकर्ता द्वारा उत्पादित एन.बी.आर. क्वालिटी की दृष्टि से भी अलग-अलग हैं।
5. उपर्युक्त तर्कों के आलोक में याचिकाकर्ता द्वारा उत्पादित एन.बी.आर. और कोरिया तथा जर्मनी से आयातित एन.बी.आर. समान वस्तुएं नहीं हैं।

ख. सामान्य मूल्य के बारे में:

कोरिया में सामान्य मूल्य के बारे में याचिकाकर्ता ने प्रमाण नहीं दिया है। कोरियाई एन.बी.आर. के लिए याचिकाकर्ता द्वारा निर्मित उत्पादन लागत गलत और बढ़-चढ़ कर बताई गई है।

ग. निर्यात मूल्य के बारे में:

याचिकाकर्ता ने कोरिया से गलत निर्यात मूल्य प्रस्तुत किया है। सम्बन्ध अवधि के दौरान कोरिया से निर्यात कीमत 1249 यू.एस. डॉलर प्रति मी.टन थी। इसके अलावा, याचिकाकर्ता द्वारा समुद्री भाड़ा, बीमा और अन्य लागतों का गलत ढंग से अनुमान लगाया गया है और वह बहुत ही ज्यादा बढ़-चढ़ कर बताया गया है। समुद्री भाड़ा, बीमा और अन्य कारणों से वास्तविक लागत कोरिया के मामले में 100 यू.एस. डॉलर प्रति मी.टन से ज्यादा नहीं है।

घ. क्षति के बारे में:

1. एन.बी.आर. के आयतों से उद्योग की स्थापना के बारे में वास्तविक बाधा की आशंका नहीं होती है और न ही भविष्य में इससे वास्तविक क्षति की आशंका है।
2. जाँच अवधि के दौरान कोरिया से आयतों की मात्रा सिर्फ 205.1 मी.टन थी न कि 308 मी.टन जैसा कि याचिकाकर्ता ने दावा किया है। कोरिया से आयतों में गिरावट आई है और देश में नाइट्रिल रबड़ की कुल माँग की तुलना में यह नगण्य है।
3. देश में एन.बी.आर. की माँग में तीव्र वृद्धि हुई है और याचिकाकर्ता द्वारा उसे पूरा नहीं किया जा सकता।
4. याचिकाकर्ता के उत्पादन, बिक्री की मात्रा, स्टॉक और बिक्री कीमतों में लगातार सुधार दिखाई दिया है। याचिकाकर्ता को फिर से लाभ होने लगा है।
5. जर्मनी और कोरिया से अलग-अलग आयतों की उतराई कीमत उस मूल्य से महत्वपूर्ण रूप से ज्यादा थी जिसका दावा याचिकाकर्ता ने किया था।
6. आयतित सामग्री का एक भाग पुनर्निर्यात के लिए था जहाँ एन.बी.आर. के भारतीय उपभोक्ताओं को ठर तरह से प्रतिस्पर्द्धात्मक बनना होगा।
7. तुलन-पत्र में मूल्य घटने के संबंध में याचिकाकर्ता के दावे का समर्थन नहीं किया गया है जिसमें जाँच अवधि के दौरान महत्वपूर्ण उच्च बिक्री मूल्य का सुझाव दिया गया है।
8. प्राधिकारी ने जापान संबंधी जाँच में याचिकाकर्ता के लिए 86126 ₹0 प्रति मी.टन उचित बिक्री मूल्य तय किया है। याचिकाकर्ता एन.बी.आर. की बिक्री 87500 ₹0 प्रति मी.टन की दर पर पहले ही कर रहा है। इसलिए, याचिकाकर्ता को और अधिक राहत की जरूरत नहीं है।
9. कोरिया से होने वाले निर्यात से भारतीय बाजारों में मूल्यों में गिरावट नहीं हुई है।
10. याचिकाकर्ता को अपर्याप्त लागत क्षमता, गलत स्थान पर संयंत्र की स्थिति, कच्ची सामग्री की गैर-उपलब्धता और स्थल के निकट निर्णायक मुख्य कच्ची सामग्री की उच्च लागत, ग्रेडों की अपर्याप्त रैंज, गुणवत्ता पर अपर्याप्त नियंत्रण और घटिया किस्म की कच्ची सामग्री उपभोक्ता मानवण्ड जैसे स्वाभाविक कारणों की परेशानी के फलस्वरूप नुकसान हुआ।
11. भारत में उत्पादित विभिन्न किस्म की सिंथेटिक रबड़ की कीमतों की तुलना से प्रदर्शित होता है कि याचिकाकर्ता ने एन.बी.आर. की कीमतों में अन्य सिंथेटिक रबड़ की तुलना में 41% अधिक वृद्धि की।

अ. अन्य मामले:

1. कोरिया के खिलाफ किसी अन्य लिखित शिकायत के साक्ष्य नहीं हैं।
2. प्राधिकारी ने दो याचिकाओं को साथ मिलाया है {कोरिया और जर्मनी से} जो अनुचित है।
3. कार्रवाई शुरू करने से पहले याचिकाकर्ता द्वारा दी गई सूचना की सत्यता की जाँच प्राधिकारी ने नहीं की है।
4. निर्यातक देशों की सरकारों को जाँच कार्रवाई शुरू करने से पूर्व सूचित नहीं किया गया।
5. प्राधिकारी द्वारा जिस जाँच अवधि पर विचार किया गया वह मनमाने ढंग से निर्धारित और अनुचित है।

6. प्राधिकारी ने ऋणक पार्टियों को सार्वजनिक सूचना के जरिए समय सीमा बढ़ाने की अनुमति नहीं दी है ।

घ. प्राधिकारी द्वारा जाँच और निष्कर्ष

1. इन निष्कर्षों पर पहुँचते समय निर्यातक, आयातक, याचिकाकर्ता और अन्य ऋणक पार्टियों द्वारा प्रस्तुत की गई टिप्पणियों की जाँच करते हुए उन पर विचार किया गया है और इन निष्कर्षों में उचित स्थानों पर उन पर विचार किया गया है ।

2. दोनों देशों के जाँच के मामले को एक साथ मिलाने के प्रश्न पर उपरोक्त नियमावली के नियम 19 में प्राधिकारी से अपेक्षा की जाती है कि वह उन सभी मामलों की जाँच करें जहाँ से वस्तुएँ डम्प की गई प्रतीत होती हैं । अतः एक ही जाँच में ऐसे सभी स्रोतों से हुए आयातों की जाँच करना उचित ही है । इसके अलावा, घरेलू उद्योग को हुई वास्तविक हानि का समेकित मूल्यांकन तथ्यों और मामले की परिस्थितियों के तहत उचित है और इसलिए दोनों देशों के मामलों को साथ मिलाकर प्राधिकारी ने ठीक ही किया है ।

3. प्राधिकारी से अपेक्षा की जाती है कि वह याचिकाकर्ता द्वारा प्रदत्त सूचना की पर्याप्तता और यथार्थता प्रथम दृष्टया सत्यापन करे और विस्तृत सत्यापन जाँच का एक अंश है । जाँच शुरू करने का उद्देश्य यही है कि याचिकाकर्ता द्वारा लगाए गए आरोपों की यथार्थता का सत्यापन किया जाए ।

4. उपरोक्त उजागर तथ्यों के अनुसार, दोनों देशों की सरकारों को जाँच कार्रवाई शुरू करने से पूर्व सूचित किया गया और इस तथ्य के आधार पर उनका दावा वस्तुतः गलत है ।

5. प्राधिकारी द्वारा जिस जाँच अवधि पर विचार किया गया है वह नियमों के अनुसार है और सबसे अधिक उचित है क्योंकि याचिकाकर्ता ने इस अवधि के दौरान इन देशों से निर्यातकों द्वारा एन.बी.आर. की कथित तौर पर डम्पिंग करने का आरोप लगाया था । प्राधिकारी से यह अपेक्षा की जाती है कि वह याचिकाकर्ता द्वारा जिस अवधि में डम्पिंग होने का आरोप लगाया गया है, उस अवधि की जाँच करे ।

6. नियमों में सार्वजनिक सूचना के जरिए समय सीमा बढ़ाने की बात नहीं कही गई है और न ही प्राधिकारी की ओर से समय सीमा बढ़ाई जानी अनिवार्य है । प्राधिकारी ने नियमों के तहत निर्धारित समय-सीमा की अनुमति दी थी जिससे कि प्राधिकारी की कार्रवाई का उत्तर प्रस्तुत किया जा सके ।

ड. विचाराधीन उत्पाद

1. वर्तमान जाँच में जिस उत्पाद पर विचार किया जा रहा है वह है एकीलोनाइट्रिल बुटाडीन रबड़ जिसे नाइट्रिल रबड़ और एन.बी.आर. के नाम से भी जाना जाता है । एन.बी.आर. का उपयोग मुख्यतः विभिन्न प्रकार की रबड़ वस्तुओं का निर्माण करने के लिए किया जाता है जैसे - ऑयल सील, होजेज, आटोमोटिव उत्पाद, गैसकेट्स, चाबल की भूसी उतारने वाले बेलन, प्रिंटर फैब्रिक्स, ऑयल फील्ड उत्पाद, इत्यादि । एन.बी.आर. के निर्माण के लिए मुख्य कच्ची सामग्री अपेक्षित हैं - एकीलोनाइट्रिल एवं बुटाडीन ।

2. आयातकों और निर्यातकों ने दावा किया है कि याचिकाकर्ता द्वारा नाइट्रिल रबड़ की अनेक किस्मों का उत्पादन नहीं किया जा रहा है । आयातकों और निर्यातकों ने ट्राइजोसिनेटेड एन.बी.आर. और कार्बोक्सीलेटेड एन.बी.आर. का उल्लेख उदाहरणों के रूप में किया है । याचिकाकर्ता ने तर्क दिया है कि जहाँ तक कोरिया से होने वाले आयात का संबंध है, इन किस्मों का उत्पादन कोरिया कुम्हो द्वारा भी नहीं किया जाता है और दोनों निर्यातकों ने इन किस्मों का निर्यात भारत को नहीं किया है ।

3. प्राधिकारी नोट करता है कि यदि इस उत्पाद का भारत में निर्यात नहीं किया गया है तो इस उत्पाद को वर्तमान जाँच के दायरे से बाहर रखना उचित नहीं रहेगा क्योंकि उसके डम्पिंग की बात को न तो सिद्ध किया जा सकता है और न ही इसे अप्रमाणित किया जा सकता है। प्राधिकारी के लिए यह अधिक उचित रहेगा कि वे किसी निर्यातक द्वारा छूट देने के विशिष्ट अनुरोध को स्वीकार कर लें यदि वह ऐसे किस्म के निर्यात करने की इच्छा रखता हो जिसका निर्यात अब तक उसके द्वारा नहीं किया जा रहा है और न ही याचिकाकर्ता द्वारा इसका विनिर्माण किया जा रहा है। इसलिए प्राधिकारी इन निष्कर्षों के प्रयोजन के लिए इस बात की पुष्टि करते हैं कि वर्तमान जाँच दायरे में इन देशों से होने वाले सभी किस्म के पन.बी.आर. के आयात शामिल हैं।

4. पन.बी.आर. का वर्गीकरण सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 की अनुसूची-1 के अध्याय 40 में किया गया है। याचिकाकर्ता ने आरोप लगाया था कि पन.बी.आर. के आयात की स्वीकृति नाइट्रिल रबड़ के प्रयोजन के लिए तय सीमा शुल्क कोड से भिन्न सीमा शुल्क कोडों के अंतर्गत दी जाती है। यह भी पाया गया है कि क्रेसा ने जाँच अवधि के दौरान 1396 मी.टन नाइट्रिल रबड़ का निर्यात करने की पुष्टि की है जबकि डी.जी.सी.आई.एण्ड एस. के आँकड़े केवल 219 मी.टन आयात होने की बात प्रकट करते हैं।

ब. समान उत्पाद

1. समान उत्पाद की परिभाषा नीचे दी गई है:-

"समान उत्पाद का अर्थ उस उत्पाद से है जो जाँच की जा रही उस वस्तु से हर दृष्टि में एक रूप हो अथवा समान हो जिसको भारत में डम्प किया जा रहा है अथवा ऐसे उत्पाद के अभाव में अन्य उत्पाद जो हालाँकि हर दृष्टि से समान नहीं हैं लेकिन जाँच की जा रही वस्तु से मिलते-जुलते सभी गुण उसमें मौजूद हों।"

2. आयातकों/निर्यातकों का मुख्य तर्क, जैसा कि उपरोक्त विस्तृत ब्यौरे से स्पष्ट है, यह है कि अ.. पन.बी.आर. उत्पाद की बनावट जर्मनी और कोरिया से आयातित पन.बी.आर. से भिन्न है और अ.. पन.बी.आर. बेयर अथवा कोरिया कुम्हो के पन.बी.आर. का प्रतिस्थापन नहीं है।

3. निर्यातकों और आयातकों द्वारा इस तर्क की पुष्टि में पर्याप्त प्रमाण नहीं दिए गए हैं कि जर्मन और कोरियाई पन.बी.आर. अपार पन.बी.आर. का प्रतिस्थापन नहीं है। निर्यातकों और आयातकों द्वारा प्रस्तुत प्रतिस्थापन संबंधी तर्क के विपरीत प्राधिकारी यह बात नोट करता है कि अनेकानेक प्रयोक्ताओं ने घरेलू उत्पाद और विदेशी आपूर्ति के बीच अपनी जरूरतों में परिवर्तन कर दिया है। इससे यह स्पष्ट हो गया है कि याचिकाकर्ता द्वारा उत्पादित पन.बी.आर. को जर्मनी और/अथवा कोरिया से आयातित पन.बी.आर. से प्रतिस्थापित किया गया।

4. यह भी देखा गया है कि सभी नाइट्रिल रबड़ एकोलोनाइट्रीक और बुटाडीन के कोपोलिमर हैं और ये पेट्रोलेियम रसायनों को अवरोध शक्ति प्रदान करने का बड़ी सामान्य उद्देश्य पूरा करते हैं, यद्यपि इनका अलग-अलग विशिष्ट उपयोग है। प्राधिकारी ने पाया है कि विनिर्माण प्रक्रिया, उपकरण और अन्य सुविधाएँ जो पन.बी.आर. की विभिन्न किस्मों का उत्पादन करने के लिए आवश्यक हैं, वे एक जैसी हैं और पन.बी.आर. की भिन्न-भिन्न किस्मों का उत्पादन करने के लिए किसी विशेष उपकरण की जरूरत नहीं पड़ती है।

5. पूर्ववृत्तान्त के आलोक में, प्राधिकारी यह निष्कर्ष निकालते हैं कि याचिकाकर्ता द्वारा उत्पादित पन.बी.आर. जर्मनी और कोरिया गणराज्य से आयातित पन.बी.आर. के समान है।

छ. घरेलू उद्योग

यह याचिका मैसर्स गुजरात अपार पोलिमेर लि०, मेकर चैम्बर 111, प्रथम तल, नरीमन प्वाइंट, मुंबई 400 021 द्वारा दायर की गई है। मैसर्स सिंथेटिक्स एण्ड केमिकल्स लि० ने भी नाइट्रिल रबड़ का उत्पादन करने की अपनी क्षमता प्रकट की है। तथापि, याचिकाकर्ता का उत्पादन भारत में सबसे अधिक बनता है और इसलिए याचिकाकर्ता उपरोक्त नियम 2 §ख§ के अनुसार घरेलू उद्योग बनता है।

ज. सामान्य कीमत

1. बेयर और कोरिया कुम्हो दोनों निर्यातकों ने जाँच अधीन के लिए अन्य बातों के साथ-साथ घरेलू बाजार में अपनी बिक्री, भारत को होने वाले निर्यात तथा अन्य देशों को होने वाले निर्यात के बारे में निम्नलिखित तथ्य दिए हैं:-

- बिक्री मात्रा और बिक्री वसुली;
- बिक्री कीमत, कमीशन/रियायत, पैकेजिंग, फ्रेट एण्ड इंश्योरेंस, एफ ओ बी कीमत, एफ ओ बी से पहले और फेवट्री के पश्चात् शुल्क तथा कारखानागत बिक्री का प्रति यूनिट निर्यात मूल्य तथा बेची गई मात्रा के लिए;
- बेयर ने बिक्री मूल्य, भिन्न-भिन्न लागत, पैकेजिंग, मार्जिनल प्रोफिट बिक्री प्रति यूनिट और बेची गई मात्रा का ब्यौरा भी दिया है, यद्यपि इस निर्यातक ने प्राधिकारी द्वारा किए गए अनुरोध के अनुसार प्रत्येक बाजार में बिक्री से होने वाला लाभ और उत्पादन लागत के बारे में विस्तृत ब्यौरा नहीं दिया है।

2. चूंकि दोनों निर्यातकों ने घरेलू बाजार में बिक्री के लिए कारखानागत मूल्य दिए हैं, इसलिए प्राधिकारी ने इन पर विश्वास करते हुए दोनों निर्यातकों के लिए घरेलू बाजार में औसत भारत कारखानागत मूल्य कीमतों के आधार पर सामान्य कीमत पर विचार किया है। चूंकि दोनों निर्यातकों ने कारखानागत बिक्री का ब्यौरा दिया है, इसलिए इसमें आगे और समायोजन करने की जरूरत नहीं है।

ऋषिरूप पोलिमर्स प्रा० लि० §ऋषिरूप§ ने निर्यातक मैसर्स कोरिया कुम्हो की ओर से घरेलू बाजार में की गई बिक्री और भारत को की गई निर्यात-बिक्रियों में अन्तर होने का दावा किया है। यह दावा किया गया है कि कोरिया कुम्हो द्वारा घरेलू बाजार में बिक्री अथवा अन्य देशों को किए जाने वाले निर्यातों में एन.बी.आर. की सभी किस्में शामिल हैं और इसलिए इनकी तुलना भारत को होने वाले निर्यात से नहीं की जा सकती जो एकल किस्म का है। प्राधिकारी ने नोट किया है कि कोरिया कुम्हो ने एक ही तुलनीय किस्म अर्थात् के एन बी 35 एल के लिए घरेलू बाजार में बिक्री मूल्यों और भारत को होने वाले निर्यात का ब्यौरा दिया है और इसलिए इस आधार पर ऋषिरूप का दावा रद्द किया जाता है। ऋषिरूप ने आगे और दावा किया है कि घरेलू बिक्री और निर्यात के मामले में कच्ची सामग्री पर आयात शुल्क में अन्तर, तकनीकी सेवा सहायता और गुणवत्ता गारंटी तथा उक्त दोनों बाजारों में बिक्री मात्रा की वजह से कोरिया में घरेलू कीमत अधिक है। तथापि, प्राधिकारी नोट करता है कि उसने निर्यातक को एक प्रश्नावली भेजकर उससे उत्पादन लागत और भारत को किए गए निर्यात से हुए लाभ, घरेलू बाजार में बिक्री तथा अन्य देशों को किए गए निर्यात के बारे में सूचना मांगी थी। जिसके जवाब में, निर्यातक ने कहा है कि कथित ब्यौरा उपलब्ध नहीं है। अतः पर्याप्त साक्ष्य के अभाव में ऋषिरूप का दावा स्वीकार्य नहीं है।

झ. निर्यात मूल्य

1. निर्यात मूल्य का निर्धारण बेयर और कोरिया कुम्हो द्वारा दावा किए गए भारत औसत कारखानागत निर्यात मूल्य के आधार पर किया गया है। चूंकि निर्यातकों ने कारखानागत निर्यात मूल्य निकालने के लिए संगत ब्यौरे भेजे हैं, इसलिए आयातकों द्वारा भेजे गए ब्यौरों पर विश्वास नहीं किया गया है।

2. याचिकाकर्ता ने दावा किया है कि कोरिया के निर्यातक ने भारत को की गई बिक्री पर दो बार कमीशन का भुगतान किया है एक बार मैसर्स कुम्हो एण्ड कम्पनी को जिसके जरिए भारत को निर्यात किया गया और दूसरी बार भारतीय इंडेंटिंग एजेंट मैसर्स ऋषिरूप पोलिमर्स को। यह प्रस्ताव है कि इस बारे में अंतिम निष्कर्षों पर विचार करने हेतु प्रारम्भिक निष्कर्षों के बाद निर्यातक को अलग से लिखा जाए।

ञ. तुलना

1. सामान्य मूल्य और निर्यात मूल्य के बीच उचित तुलना के प्रयोजन के लिए प्राधिकारी ने निर्यातकों द्वारा दी गई सूचना तथा उपलब्ध सर्वोत्तम सूचना पर विचार किया। प्राधिकारी ने अलग-अलग निर्यातक के लिए भारत औसत सामान्य कीमत की तुलना भारत औसत निर्यात कीमत से की है, जिससे निम्नलिखित सामान्य कीमत, निर्यात मूल्य और डम्पिंग मार्जिन प्रदर्शित हुआ है:

प्रति मी.टन अमरीकी डालर

बेयर ए जी, जर्मनी
कोरिया कुम्हो पेट्रोकेमिकल
कम्पनी लि०, कोरिया गणराज्य

डम्पिंग मार्जिन
1367.00

284.30

2. प्राधिकारी नोट करता है कि केवल जाँच अवधि के दौरान सामान्य कीमत और निर्यात मूल्य डम्पिंग तय करने के लिए संगत हैं और भारत को होने वाले निर्यात के प्रचलित मूल्य अथवा अंतर्राष्ट्रीय मूल्य इस प्रयोजन के लिए संगत नहीं हैं।

ट. हानि

1. उपरोक्त नियम 11, अनुबंध 11 के अनुसार जब हानि का पता लगाया जाता है तो घरेलू उद्योग को होने वाले नुकसान का निर्धारण करते समय डम्पड आयातों की मात्रा, समान उत्पाद की घरेलू बाजार कीमतों पर इनके प्रभाव और उसके फलस्वरूप ऐसे उत्पादों के घरेलू उत्पादकों पर ऐसे आयातों के प्रभाव समेत सभी संगत तथ्यों पर विचार किया जाता है। कीमतों पर डम्पड आयातों के प्रभावों पर विचार करते समय इस बात की जाँच करनी जरूरी समझी जाती है कि क्या भारत में समान उत्पाद की कीमतों की तुलना में डम्पड आयात की वजह से कीमतों में महत्वपूर्ण गिरावट रही है अथवा क्या ऐसे आयातों के प्रभाव से अन्यथा किसी महत्वपूर्ण सीमा तक कीमतों में गिरावट आई है अथवा मूल्य वृद्धि पर रोक लगी है जो अन्यथा एक महत्वपूर्ण सीमा तक हुई होती।

2. उपरोक्त नियम 11 के तहत अनुबंध 11.1.1.1 में यह प्रावधान भी है कि जहाँ एक से अधिक देशों से किसी उत्पाद के आयातों की एक साथ ही पाटनरोधी जाँच की जानी हो, वहाँ निर्दिष्ट प्राधिकारी इस प्रकार के आयातों के प्रभाव का एक साथ आकलन तभी करेगा जब यह निश्चित हो जाए कि §क§ प्रत्येक देश से हुए आयात से संबंधित डम्पिंग मार्जिन निर्यात मूल्य के प्रतिशत के रूप में दो प्रतिशत से अधिक है और प्रत्येक देश से आयात की मात्रा समान उत्पाद के आयात का तीन प्रतिशत है अथवा जहाँ अलग-अलग देश का निर्यात तीन प्रतिशत से कम है, वहाँ समेकित आयात समान उत्पाद के आयात का सात प्रतिशत से ज्यादा बनता है और §ख§ जब आयातित उत्पाद एवं समान घरेलू उत्पाद के बीच प्रतिस्पर्धा की परिस्थिति के आलोक में आयातों के प्रभाव का एक साथ आकलन करना उपयुक्त हो।

3. प्राधिकारी ने यह नोट किया कि जर्मनी और कोरिया से उमिंग का मार्जन और आयातों की मात्रा निश्चित सीमा से अधिक है । आयातों के प्रभाव का संचयी निर्धारण पूर्ण है क्योंकि जर्मनी और कोरिया से आयात तथा याचिकाकर्ता से आपूर्ति भारतीय बाजार में सीधे प्रतिस्पर्धा कर रही है ।
4. भारत में घरेलू उद्योग पर आयातों के प्रभाव की जाँच के लिए उपर्युक्त नियमों के अनुलग्नक-11१/११ के अनुसार प्राधिकारी ने उन विषयों पर विचार किया जिनका उद्योग की स्थिति पर प्रभाव पड़ता है जैसे उत्पादन प्रवृत्ति, क्षमता उपयोग, बिक्री मात्रा, स्टॉक, लाभप्रदता, निवल बिक्री आय, मात्रा तथा उमिंग का मार्जन इत्यादि ।

क. उमिंग किए गए आयातों की मात्रा तथा बाजार हिस्सा

भारत में नाइट्राइल रबड़ का कुल आयात 1992-93 में 3109 एम.टी. से बढ़कर 1993-94 में 5633 एम.टी. हो गया और जाँच की छः महीने की अवधि के दौरान 4639 एम.टी. हो गया । जर्मनी और कोरिया से आयात 883 एम.टी. 1993 से बढ़कर 2167 एम.टी. 1994 और जाँच अवधि के दौरान 1619 एम.टी. हो गए । प्राधिकारी ने नोट किया कि जर्मनी और कोरिया से आयात जाँच की अवधि के दौरान निरपेक्ष रूप से बढ़े हैं । परिणामस्वरूप भारत में एन.बी.आर. के कुल आयातों में दोनों देशों का हिस्सा जाँच अवधि के दौरान 11.2% 1993-94 से बढ़कर 35.2% हो गया ।

- भारत में एन.बी.आर. के कुल उपभोग में जर्मनी और कोरिया का बाजार हिस्सा जाँच अवधि के दौरान 8.2% 1993-94 से बढ़कर 27.2% हो गया ।

ख. उत्पादन और क्षमता उपयोग

घरेलू उद्योग का एन.बी.आर. का उत्पादन 2178 एम.टी. 1992-93 से बढ़कर 2380 एम.टी. 1993-94 हो गया और जाँच अवधि के दौरान 1573.210 एम.टी. था । तथापि, प्राधिकारी ने नोट किया कि याचिकाकर्ता को गैर-एन.बी.आर. मदों का उत्पादन करने को मजबूर किया गया है जो ऐसे संयंत्र और मशीनरी के लिए आवश्यक नहीं है जोकि याचिकाकर्ता के पास उपलब्ध है और जहाँ तक एन.बी.आर. का संबंध है, क्षमता का उपयोग अभी तक उत्पन्न क्षमता से बहुत कम है ।

ग. सम्पूर्ण मात्रा की बिक्री

घरेलू उद्योग की बिक्री निरपेक्ष रूप में 1916 एम.टी. 1992-93 से बढ़कर 2271 एम.टी. 1993-94 हो गई और जाँच अवधि के दौरान 1427.670 एम.टी. थी । तथापि, याचिकाकर्ता का बाजार हिस्सा 1993-94 की तुलना में जाँच अवधि के दौरान 6.2% तक गिरा ।

घ. बिफ्री कीमत की प्रवृत्ति

बिफ्री की प्रति समूटो निवल औसत प्राप्ति उत्पाद शुल्क और बढ़ते को निकालने के बाद 61,793 रु० 1992-93, 58,592 रु० 1993-94 और 65,406 रु० जांच अवधि के दौरान थे। दोनों देशों को सोमाशुल्क में कमी तथा सीआईएसएफ आयात मूल्यों में गिरावट ने घरेलू उद्योग को एन.बी.आर. की उत्पादन लागत से कम गैर परिश्रमिक कीमतों पर बिफ्री करने के लिए मजबूर किया।

ङ. स्टॉक

जांच अवधि के दौरान याचिकाकर्ता का स्टॉक 199 समूटो से 461 समूटो के बीच था।

च. लाभ/हानि

याचिकाकर्ता को उत्पादन लागत से कम कीमतों पर एन.बी.आर. की बिफ्री से वित्तीय हानि हुई है। प्राधिकारी ने नोट किया कि यद्यपि याचिकाकर्ता ने अपने प्रकाशित वार्षिक लेखा में लाभ दर्शाए हैं, यह गैर-एन.बी.आर. मर्च की बिफ्री और मैसर्स अपार लि० के व्यवसाय के स्थानांतरण की वजह से है। जहाँ तक इसके एन.बी.आर. प्रचालनों का संबंध है, वह हानि में है।

छ. क्षति संबंधी निष्कर्ष :

प्राधिकारी ने निष्कर्ष निकाला कि :

- परिस्थितियाँ दोनों देशों ने आयातों के लिए संघर्ष आधार पर क्षति पर विचार-विमर्श का अधिकार देती हैं;
- जांच अवधि के दौरान दोनों देशों से एनबीआर के आयातों में निरपेक्ष रूप से वृद्धि हुई।
- देश की कुल मांग में जर्मनी और कोरिया के हिस्से में जांच अवधि के दौरान वृद्धि हुई है।
- जर्मनी और कोरिया के निर्यातों ने घरेलू उद्योग को अपनी कीमते अलाभम्रद स्तर तक लाने के लिए मजबूर किया और घरेलू उद्योग को उत्पादन की अपनी पूरी कीमत प्राप्त करने रुकावट डाली, जिससे घरेलू उद्योग को हानि हुई।
- घरेलू उद्योग से संबंधित विभिन्न संकेतक जैसे - उत्पादन, क्षमता उपयोग, बिफ्री की मात्राएं, औसत बिफ्री अधिप्राप्ति, स्टॉक, घरेलू उद्योग को वास्तविक रूप से हुई सामूहिक और संघर्ष हानि, यद्यपि कुछ पैरामेटर्स में सुधार हुआ है।

इस प्रकार प्राधिकारी इस अपरिहार्य निष्कर्ष पर पहुंचा कि घरेलू उद्योग को वास्तविक हानि हुई है।

ठ. भारतीय उद्योग के हित और अन्य मुद्दे

1. पाटनरोधी शुल्कों का उद्देश्य यह है कि सामान्यतौर पर ऐसे पाटन को समाप्त किया जा सके जिससे भारतीय उद्योग को नुकसान हो रहा है तथा भारतीय बाजार में पुनः खुली और उचित प्रतिस्पर्धा की स्थिति लाई जा सके जो कि देश के सामान्य हित में है।

2. यह माना जाता कि पाटनरोधी शुल्क लगाने से एन.बी.आर. के उपयोग से विनिर्मित उत्पादों के कीमत स्तर प्रभावित होंगे और परिणामस्वरूप निर्यात बाजार में उनके उत्पादों को सापेक्ष प्रतिस्पर्धात्मकता पर प्रभाव पड़ सकता है। किन्तु, पाटनरोधी उपायों से भारतीय बाजार में उचित प्रतिस्पर्धा कम नहीं होगी। विशेषकर तब, जबकि पाटनरोधी शुल्क को लेबो घरेलू उद्योग को हुए नुकसान को कम करने के लिए आवश्यकता राशि तक ही सीमित कर दी जाए। इसके विपरीत डम्पिंग द्वारा प्राप्त होने वाले अनुचित लाभों को समाप्त करने का उद्देश्य यह है कि भारतीय उद्योग के ह्रास को रोका जाए और इस प्रकार एन.बी.आर. के उपभोक्ताओं के लिए व्यापक विकल्प उपलब्ध रहें। प्राधिकारी ने नोट किया कि पाटनरोधी उपायों से जर्मनी और कोरिया से आयात किसी भी प्रकार कम नहीं होंगे, इसलिए उपभोक्ताओं को होने वाली उत्पाद की उपलब्धता पर कोई असर नहीं पड़ेगा। उपभोक्ता आपूर्ति के दो या अधिक स्रोत रख सकते हैं।
3. प्राधिकारी ने क्षमता उपयोग के प्राप्त होने योग्य स्तर पर उत्पादन की अधिकतम लागत पर विचार करके घरेलू उद्योग को होने वाली क्षति को दूर करने के लिए आवश्यक पाटन-रोधी शुल्क की मात्रा का पता लगाने के लिए भारत में एन.बी.आर. का उचित बिक्री मूल्य निर्धारित किया है।
4. घरेलू उद्योग को डम्पिंग के अतिरिक्त अन्य कारणों से हुई क्षति, यदि कोई है, पर डम्प आयातों के कारण घरेलू उद्योग को हुई क्षति को दूर करने के लिए आवश्यक पाटन-रोधी शुल्क की राशि की सिफारिश करते समय विचार नहीं किया गया।
5. सीमाशुल्क में कमी से स्वयं डम्पिंग पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता। जहाँ तक क्षति का संबंध है, प्राधिकारी ने जाँच अवधि के दौरान मौजूदा सीमाशुल्कों पर विचार करने के बाद घरेलू उद्योग को होने वाली क्षति के स्तर की गणना की है।
6. प्राधिकारी ने इस बात पर ध्यान दिया कि भारत में एन.बी.आर. की मांग देश में उपलब्ध क्षमताओं से अधिक है। तथापि, प्राधिकारी ने किसी निश्चित स्रोत से आयातों और आपूर्ति पर प्रतिबन्धों की सिफारिश नहीं की है और इसलिए, पाटनरोधी शुल्क लगाने की अवस्था में उपभोक्ताओं का एन.बी.आर. की उपलब्धता पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।
7. उतराई मूल्य : चूंकि क्रेता ने भारत को निर्यातों का उतराई मूल्य दे दिया है, जो उसे इन्वेंटिंग सैजेंट अर्थात् बेयर इंडिया लिमिटेड द्वारा दिया जा चुका है, इसलिए प्राधिकारी द्वारा भारत औसत उतराई मूल्य उसी के आधार पर निकाला गया है। कोरिया कुम्हो से आयातों के मामले में, निर्यातक ने लेन-देन अर्थात् आयात के ब्यौरे प्रस्तुत किए हैं और उतराई मूल्य प्रस्तुत नहीं किया है। इसलिए, प्राधिकारी ने निर्यातक द्वारा प्रस्तुत किए गए भारत औसत सी.आई.एफ. निर्यात मूल्य के आधार पर उतराई मूल्य और क्रेता द्वारा किए गए व्यय के आधार पर सी.आई.एफ. के बाद व्यय निकाला है।

उ-निष्कर्ष

1. प्राधिकारी ने पूर्वोक्त पर विचार करने के बाद यह निष्कर्ष निकाला कि :
 - जर्मनी और कोरिया मूल के अथवा वहाँ से निर्यात किए जाने वाला एन.बी.आर. भारत

को उसके सामान्य मूल्य से कम पर निर्यात किया गया, जिसके चारणामस्वरूप इन निर्यातकों द्वारा डम्पिंग हुई ।

- घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है;
- क्षति कुल मिलाकर जर्मनी और कोरिया से होने वाले आयातों के कारण हुई है ।

2. प्राधिकारी यह आवश्यक समझता है कि अन्तिम रूप से निर्धारण होने तक जर्मनी और कोरिया में अथवा वहाँ से निर्यातित होने वाले स्न.बी.आर. के सभी आयातों पर अनन्तिम पाटनरोधो शुल्क लगाया जाए, ताकि घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति से बचाया जा सके ।
3. प्राधिकारी ने विचार किया कि क्या डम्पिंग मार्जिन से कम शुल्क लगाना क्षति को समाप्त करने के लिए पर्याप्त होगा । इस उद्देश्य के लिए प्रत्येक निर्यातक द्वारा किए गए सभी निर्यातों की भारित औसत उतराई कीमत को तुलना जाँच अवधि के दौरान घरेलू उद्योगों को उचित बिन्दु कीमत से की गई जो कि जाँच अवधि के लिए निर्धारित की गई थी । जहाँ यह अन्तर डम्पिंग मार्जिन से भी कम था, वहाँ क्षति की मात्रा तक कम शुल्क लगाने की सिफारिश की जाती है । तदनुसार यह प्रस्ताव किया जाता है कि इस संबंध में केन्द्र सरकार द्वारा जारी की जाने वाली अधिसूचना की तिथि से जर्मनी और कोरिया उदगम वाले या वहाँ से निर्यात किए जाने वाले स्न.बी.आर. के सभी आयातों पर सीमा-शुल्क टैरिफ के अध्याय 40 के अन्तर्गत अन्तिम निबटारा होने तक निम्नानुसार अनन्तिम पाटनरोधो शुल्क लगाया जाए :-

क्रम सं०	निर्यातक का नाम	शुल्क की राशि ₹ रु. प्रति सम.टो.४
1.	उदगम का देश : जर्मनी	
	• बेयर स.जी., जर्मनी	11557
	• उपर्युक्त के अतिरिक्त निर्यातक	11557
2.	उदगम का देश : कोरिया गणतन्त्र	
	• कोरिया कुम्हो पैट्रोकेमिकल कं; लिमि.	8975
	• निर्यातक उपर्युक्त के अतिरिक्त	8975

सम्बद्ध ज्ञात निर्यातकों, आयातकों, याचिकाकर्ता और अन्य हितबद्ध पार्टियों को प्राधिकारी द्वारा अलग से लिखा जा रहा है जो अपने विचारों से अवगत कराना चाहते हैं। वे इस पत्र के जारी होने की तिथि से 40 दिनों के भीतर आवेदन कर सकते हैं । कोई अन्य हितबद्ध पार्टी भी इन जाँचों के प्रकाशन को तारोख से 40 दिनों के भीतर विचार रख सकती है ।

MINISTRY OF COMMERCE**NOTIFICATION**

New Delhi, the 30th December, 1996

PRELIMINARY FINDINGS

SUBJECT . Anti-dumping investigation concerning imports of NBR originating in or exported from Germany and Korea RP - Preliminary findings

No. 9/1/95-ADD.—Having regard to the Customs Tariff Act, 1975 as amended in 1995 and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995, thereof.

A. PROCEDURE

2. The procedure described below has been followed:

- (i) The Designated Authority (hereinafter referred to Authority), under the above Rules, received written request from M/s. Gujarat Apar Polymers Ltd., Mumbai on behalf of the domestic industry, alleging dumping of NBR originating in or exported from the Federal Republic of Germany and the Republic of Korea (referred to as Germany and Korea respectively) ;
- (ii) The Authority notified the Embassy of Germany and Korea about the receipt of dumping allegations made by the petitioner before proceeding to initiate an investigation in accordance with sub-Rule (5) of Rule 5 supra.
- (iii) The Authority issued a Public Notice dated 15th March, 1995 published in the Gazette of India, Extraordinary, initiating anti dumping proceedings concerning imports of NBR classified under heading 4002.59 of Schedule I of the Customs Tariff Act, 1975 and No. 4002.59.00 under Indian Trade Classification (based on Harmonised Commodity Description and Coding System) originating in or exported from the Germany and Korea;
- (iv) The Authority forwarded copy of the public notice to the known exporters, importers, industry associations and to the complainant and gave them an opportunity to make their views known in writing and to request for an oral hearing;
- (v) According to sub-rule (3) of Rules 6 supra, the Authority provided a copy of the petition to all the known exporters and the Embassy of Germany and Korea. A copy of the petition was also made available to the importers, as requested.
- (vi) The Authority sent questionnaire, to elicit relevant information, to the following exporters:
 - Korea Kumho Petrochemical Company Ltd., Korea;
 - Kumho & Co., Korea;
 - Bayer AG, Germany;

(vii) The Embassy of Germany and Korea in New Delhi were also informed about the initiation of investigation and was requested to advise the exporters/producers from their country to respond to the questionnaire within prescribed time. A copy of the petition, letter and questionnaire sent to the exporters was also sent to the Embassies;

(ix) Response to the questionnaire was filed by the following:

M/s.

- Korea Kumho Petrochemical Company, Korea,
- Bayer AG, Germany,
- Bayer India Ltd., Mumbai,
- Rishiroop Polymers Pvt. Ltd., Mumbai,
- Golden Rolls Pvt. Ltd., Delhi,
- Vako Seal, Mumbai,
- Puneet Resin Pvt. Ltd., Mumbai,
- Lathia Industrial Supplies Company Pvt. Ltd., Ahmedabad,
- Inraco Ltd., Mumbai,
- Zenith Rubber & Plastic Works, Mumbai,
- Precision Rubber Industries Pvt. Ltd., Mumbai,
- Markwel Hose Industries Pvt. Ltd., Mumbai,

(ix) A Public hearing was held by the Authority on 12th June, 1996 in order to provide opportunity to importers, exporters, petitioner, other interested parties and the Embassy of Germany and Korea. The hearing was attended by the following:

M/s.

- Gujarat Apar Polymers Ltd., Mumbai,
- Bayer AG, Germany through their authorised representatives M/s. Bayer India Ltd., Mumbai,
- Korea Kumho Petrochemical Company Ltd., through their authorised representatives M/s. Rishiroop Polymers Pvt. Ltd., Mumbai,
- Puneet Resins Ltd.,
- Inarco Ltd.,
- Precision Rubber Industries Ltd.,
- K K Rubber Co (I) Pvt. Ltd.,
- Parkman Polymer Industries,
- Shree Venkateshwaria Industries,
- CAPEXIL
- Lathia Industrial Supply Company,
- All Indian Rubber Industries Association,
- Anil Rubber,
- Golden Rolls Pvt. Ltd.,
- Auto Seals & Rubber Industries Pvt. Ltd.,
- Federation of Rubber Footwear Manufacturers,
- Hidustan Polymers,
- Bombay Chemicals & Rubber Products,
- ERC Air Ltd.,
- Synthetics & Chemicals Ltd.,
- Flexo Industries,
- Vinko Auto Ind. Ltd.,
- Kohinoor India Ltd.,

- (x) All the parties who attended the said public hearing were advised to present their submissions made in the public hearing in writing for obtaining counter comments from the other party(ies) to the investigation and the written submissions made by the party(ies) were made available to the other party(ies) for their counter comments;
- (xi) The Authority sought and verified information deemed necessary for the investigation, and to this end investigations were carried out at the premises of the petitioner's head office and works;
- (xii) The Authority conducted cost investigation and worked out optimum cost of production and cost to make and sell NBR in India on the basis of Generally Accepted Accounting Principles so as to ascertain as to whether anti dumping duty lower than the dumping margin would be enough to remove the injury;
- (xiii) The investigation covered the period from 1st Oct., 1994 to 31st March, 1995;

B. PETITIONER'S VIEWS

The petitioner has made the following submissions:

1. The investigation by the Authority confirmed massive dumping of NBR from Japan, on the request filed by the petitioner, and the Govt. has imposed Anti-dumping Duty on imports from Japan;
2. Imports of NBR have been got cleared under various custom codes under Chapter 40;
3. Normal value of NBR in the domestic market in Germany was US\$ 2248 per MT against which it was exported to India at CIF US\$ 1133 per MT or ex-works US\$ 814 per MT, establishing that NBR was dumped from Germany.
4. Exporters from Korea have been dumping NBR in India since a long time. It has not been able to collect evidence showing prices in the domestic market in Korea, and requested the Authority to consider normal value based on cost of production. Normal value in Korea at US\$ 2075 per MT and export price at US\$ 882 per MT establish dumping by Korea.
5. The various factors such as increase in imports, reduction in import prices, and factors affecting the petitioner such as production, capacity utilisation, sales volume, selling prices, financial losses, etc. evidence the injury suffered by the petitioner, which was caused by the imports from Germany and Korea.
6. Dual commission was paid for exports from Korea, once to M/s. Korea Kumho & Co. (through whom the exports have been made by Korea Kumho) and again to indenting agent in India. The Authority should therefore consider 6% commission on exports from Korea for arriving at ex-works Export Price.
7. The customs duties should not be considered for working out landed cost of exports from Germany and Korea. Further, cost to customer should be considered by the Authority while arriving at the extent of injury suffered by the Domestic Industry.

C. VIEWS OF EXPORTERS, IMPORTERS AND OTHER INTERESTED PARTIES

The exporters, importers, and a number of other interested parties have responded to the Authority and have raised a number of issues on like articles, Normal Value, Export Price, injury to the petitioner apart from a other issues. The issues in brief are as under.

a. On Like Article:

1. NBR is not an article but is a generic term for a group of articles. The term Acrylonitrile Butadiene Rubber or Nitrile Rubber is used in the rubber industry to define a class or type of NBR elastomers.
2. Technology and manufacturing process of Bayer and Apar are different. Product composition in the NBR exported by Bayer neither compares with its old product nor with the petitioner's product range. Finishing differences in Bayer NBR and Apar NBR are also of significance.
3. Both Korean NBR and Bayer NBR are neither the same product as petitioner's NBR nor Apar NBR is substitutable with German or Korean NBR.
4. NBR imported from Germany & Korea and produced by the petitioner are different in terms of quality.
5. In the light of above arguments, NBR produced by the petitioner and NBR imported from Korea and Germany are not like articles.

b. On Normal Value:

The petitioner has not furnished evidence in support of normal value in Korea. The cost of production constructed by the petitioner for Korean NBR is incorrect and inflated.

c. On Export Price.

The petitioner has furnished incorrect Export Price from Korea. The Export Price from Korea during the relevant period was US\$ 1249 per MT. Further ocean freight, insurance and other costs have been wrongly estimated by the petitioner and the same are highly inflated. Actual cost on account of ocean freight, insurance and other costs are not more than US\$ 100 per MT in case of Korea.

d. On Injury:

1. Imports of NBR do not cause a threat of material retardation to the establishment of an industry nor does it cause a threat of material injury in future.
2. Quantum of imports from Korea during the period of investigation was 205.1 MT only and not 308 MT as claimed by the petitioner. Imports from Korea have declined and the same is negligible compared to total demand of Nitrile Rubber in the Country.
3. There is sharp increase in demand of NBR in the country, and the same cannot be met with by the petitioner.
4. Production, sales quantum, stocks and selling prices of the petitioner have continuously shown improvement. The petitioner has shown turnaround and registered profits.

5. Landed value of individual imports from Germany and Korea were significantly higher than those claimed by the petitioner.
6. Part of the material imported was for re-export, where the Indian consumers of NBR have to be competitive in all respects.
7. The petitioner's claim of price erosion is not supported in the balance sheet, which suggests significantly higher selling price in the period of investigation.
8. The Authority had worked out, in the investigation relating to Japan, fair selling price for the petitioner at Rs. 86126 per MT. The petitioner is already selling NBR at Rs. 87500 per MT, and, therefore, no further relief is required for the petitioner.
9. Exports from Korea have not resulted in price undercutting in the Indian market.
10. The petitioner suffers from inherent deficiencies such as inadequate installed capacity, wrong plant location, non-availability of raw material and high cost of critical raw materials adjacent to site, inadequate range of grades, inadequate control on quality and poor raw material consumption norms, resulting in injury to the petitioner.
11. A comparison of prices of various synthetic rubbers produced in India show that the increase in prices of NBR by the petitioner were over 41% as compared to other synthetic rubbers.

e. Other Issues:

1. There is no evidence of written complaint against Korea.
2. The Authority has clubbed two petitions (from Korea and Germany), which is improper.
3. The Authority has not verified the accuracy of the information furnished by the petitioner before proceeding to initiate.
4. Governments of the exporting countries were not informed prior to the commencement of initiation of the investigation.
5. The period of investigation considered by the Authority is arbitrarily fixed and is inappropriate.
6. The Authority has not allowed extension of time limit by way of public notice to the interested parties.

D. EXAMINATION & FINDINGS BY THE AUTHORITY

1. The submissions made by the exporter, importers, petitioner and other interested parties have been examined and considered while arriving at these findings and have been dealt at appropriate places in these findings.
2. On the issue of clubbing of the investigation of the two countries, Rule 19 of the rules supra requires the Authority to investigate into all cases from where the article appears to be have been dumped. It is, therefore, proper to investigate imports from all such sources in a single investigation. Moreover, cumulative assessment of material injury to

the Domestic Industry is appropriate under the facts and circumstances of the case, and therefore the Authority is justified in clubbing the two countries;

3. The Authority is required to prime facie verify the adequacy and accuracy of the information furnished by the petitioner and detailed verification is a part of the investigation. The very purpose of initiation of an investigation is to verify the correctness of the allegation levelled by the petitioner.
4. As brought out above, Governments of both the countries were notified before proceeding to initiate the investigation and the contention on this account is factually incorrect.
5. The period of investigation considered by the Authority is in accordance with the rules and most appropriate as the petitioner had alleged dumping of NBR by the exporters from these countries during this period. The Authority is required to investigate the period for which the dumping allegation is made by the petitioner.
6. The rules do not prescribe extension of time by way of public notice, nor extension of time limit is obligatory on the part of the Authority. The Authority had allowed the time limits prescribed under the rules for responding to the Authority.

E. PRODUCT UNDER CONSIDERATION

1. The product considered in the present investigation is Acrylonitrile Butadiene Rubber, also known as Nitrile Rubber and NBR. NBR is mainly used for manufacturing various rubber articles, such as Oil Seals, Hoses, Automotive products, Gaskets, Rice Dehusking Rolls, Printers fabrics, Oil field products, etc. Major raw materials required for manufacturing NBR are Acrylonitrile and Butadiene.
2. The importers and exporters have contended that a number of Nitrile Rubber grades are not being produced by the petitioner. The importers and exporters have cited Hydrogenated NBR and Carboxylated NBR as examples. The petitioner has argued that in so far as imports from Korea are concerned these grades are not being produced even by Korea Kumho and both the exporters have not exported these grades to India.
3. The Authority notes that it would not be appropriate to exclude a product from the scope of the present investigation in case it has not been exported to India, as the fact of dumping can neither be proved nor disproved. It would be more appropriate for the Authority to accept a specific request by an exporter for exclusion in case it desires to export any of such grades, which are hitherto neither being exported by it nor being manufactured by the petitioner. The Authority, therefore, confirms, for the purpose of these findings, that the scope of the present findings covers all types of NBR from these countries.
4. NBR is classified under Chapter 40 of Schedule I of the Customs Tariff Act, 1975. The petitioner had alleged that imports of NBR have been cleared under Customs Codes other than that meant for Nitrile Rubber also. It is also found that Bayer has confirmed exports of 1396 MT Nitrile Rubber during the period of investigation whereas the DGCIS statistics reveal imports of 219 MT only.

F. LIKE ARTICLES

1. Definition of like article states as under:

“Like article means an article which is identical or alike in all respects to the article under investigation for being dumped in India or in the absence of such an article, another article which although not alike in all respects, has characteristics closely resembling those of the articles under investigation”.

2. Major argument of the importers/exporters, as brought out in detail above is that the product composition of Apar NBR and NBR imported from Germany and Korea is different, and Apar NBR is not substitutable with Bayer or Korea Kumho NBR.
3. The argument advanced by the exporters and importers that German and Korean NBR are not substitutable with Apar NBR is not backed with sufficient evidence. Contrary to the argument on substitutability advanced by the exporters and importers, the Authority notes that various users have switched their requirement between domestic produce and overseas supplies, which clearly establish that the NBR produced by the petitioner was substituted by the NBR imported from Germany and/or Korea.
4. It is also observed that all Nitrile Rubbers are copolymers of Acrylonitrile and Butadiene and serve the same general purpose of providing resistance to petroleum chemicals, though the same have different specific end applications. The Authority finds that the manufacturing process, equipments, and other facilities needed for producing different grades of NBR are common, and does not involve any special equipment to produce different grades of NBR.
5. In the light of the foregoings, the Authority concludes that NBR produced by the petitioner is a like article to the NBR imported from Germany and Korea RP.

G. DOMESTIC INDUSTRY

The petition was filed by M/s Gujarat Apar Polymer Ltd., Maker Chamber III, 1st Floor, Nariman Point, Mumbai 400 021. M/s Synthetics & Chemicals Ltd. has also created capacity to produce Nitrile Rubber. Production of the petitioner, however, accounted for the majority of the production in India and, therefore, the petitioner constitute domestic industry in accordance with Rule 2(b) supra.

H. NORMAL VALUE

1. Both the exporters, Bayer and Korea Khmo furnished information containing, inter alia, the following for the period of investigation for their sales in home market, exports to India and exports to Other Countries:

- Sales quantity and sales realisation;
- Selling Price, Commission/discounts, Packaging, Freight & Insurance, FOB prices, charges before FOB and after ex-works and ex-works export price per unit of sales and for the quantities sold;
- Selling price, variable cost, packaging, marginal profit per unit of sales and for the quantities sold have also been furnished by Bayer, though the exporter has not furnished details leading to cost of production and profit made from sales in each

2. Since both the exporters have furnished ex works prices for sales in the domestic market, the Authority has relied upon the same and considered normal value on the basis of weighted average ex-works selling prices in the domestic market for both the exporters. Since both the exporters have furnished ex-works selling prices, no further adjustment is required to be made in the same.
3. Rishiroop Polymers Pvt. Ltd. (Rishiroop), on behalf of Korea Kumho has claimed differences in the sales in the domestic market and exports to India. It has been claimed that the sales in the domestic market or exports to Other Countries by Korea Kumho are of all types of NBR grades and hence are not comparable to exports to India which are of single grade. The Authority notes that Korea Kumho has furnished details of selling prices in the domestic market and exports to India for the same and comparable grade i.e. KNB 35L and, therefore, the contention of Rishiroop on this account is rejected. It has been further claimed by Rishiroop that the domestic price in Korea is higher because of difference in import duty on raw materials in case of domestic sales and exports, association of technical service support and quality guarantees, and volume of sales in the two markets. The Authority, however, notes that the exporter was requested, vide the questionnaire sent to it, to furnish cost of production and profit for exports to India, sales in the home market and exports to Other Countries, in response to which the exporter has stated that the said details were not available. The contention of Rishiroop is, therefore not acceptable for want of sufficient evidence.

I. EXPORT PRICE

1. The export price has been determined on the basis of weighted average ex-works export price claimed by Bayer and Korea Kumho. Since the exporters have furnished the relevant details for working out the ex-works export price, the details furnished by the importers have not been relied upon.
2. The petitioner has contended that the exporter from Korea has paid dual commission on sales to India, once to M/s. Kumho & Co., through whom exports have been made to India and again to the Indian indenting agent, M/s. Rishiroop Polymers. It is proposed that the exporter be addressed suitably after Preliminary Findings in this regard for a consideration in the final findings.

J. COMPARISON

1. For the purpose of fair comparison between the normal value and the export price, the Authority took into account the information furnished by the exporters and the best information available. The Authority has compared weighted average normal value with weighted average export price for individual exporter, which indicate the following Normal Value, Export Price and dumping margins:

	<u>US \$ per MT</u>
	Dumping Margin
Bayer AG, Germany	1367.00
Korea Kumho Petrochemical	

2. The Authority notes that the normal value and export price during the investigation period only are relevant for deciding dumping, and the current export price to India or international prices are not relevant for the purpose.

K. INJURY

1. Under Rule 11 supra, Annexure-II, when a finding of injury is arrived at, such finding shall involve determination of the injury to the domestic industry, "...taking into account all relevant facts, including the volume of dumped imports, their effect on prices in the domestic market for like articles and the consequent effect of such imports on domestic producers of such articles...." In considering the effect of the dumped imports on prices, it is considered necessary to examine whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of the like product in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increases, which otherwise would have occurred, to a significant degree.
2. Annexure II(iii) under rule 11 supra further provides that in case where imports of a product from more than one country are being simultaneously subjected to Anti Dumping investigation, the designated authority will cumulatively assess the effect of such imports, only when it determines that (a) the margin of dumping established in relation to the imports from each country is more than two percent expressed as percentage of export price and the volume of the imports from each country is three percent of the imports of the like article or where the export of the individual countries less than three percent, the imports cumulatively accounts for more than seven percent of the imports of like article and (b) cumulative assessment of the effect of imports is appropriate in light of the conditions of competition between the imported article and the like domestic articles.
3. The Authority notes that the margin of dumping and quantum of imports from Germany and Korea are more than the prescribed limits. Cumulative assessment of the effect of imports is appropriate since the imports from Germany and Korea and supplies from the petitioner are directly competing in the Indian market.
4. For the examination of the impact of imports on the domestic industry in India, the Authority considered such further indices having a bearing on the state of the industry as production, capacity utilisation, sales quantum, stock, profitability, net sales realisation, the magnitude and margin of dumping etc. in accordance with Annexure II (iv) of the rules supra.

a. Volume and Market Share of Dumped Imports

Total imports of Nitrile Rubber in India increased from 3109 MT in 1992-93 to 5633 MT in 1993-94 and 4639 MT during the six month period of investigation. Imports from Germany and Korea increased from 883 MT (1993) to 2167 MT (1994) and were 1619 MT during the period of investigation. The Authority notes that imports from Germany and Korea increased in absolute terms during the period of investigation. The share of the two countries in the total imports of NBR in India, as a consequence, increased from 11% (1993-94) to 35% during the period of investigation.

- Market share of Germany and Korea in the total consumption of NBR in India rose from 8% (1993-94) to 27% during the period of investigation.

b. Production and Capacity Utilisation

Production of NBR of the Domestic Industry increased from 2178 MT (1992-93) to 2380 MT (1993-94) and was 1573.210 MT during the period of investigation. The Authority, however, notes that the petitioner has been forced to produce non-NBR items (which otherwise does not require such plant & machinery as are available with the petitioner) and the utilisation of capacity in so far as NBR is concerned is still far lower than the capacities created.

c. Sales in Absolute Quantity

Sales of the Domestic Industry in absolute terms increased from 1916 MT (1992-93) to 2271 MT (1993-94) and were 1427.670 MT during the period of investigation. The market share of the petitioner declined by 6% during the period of investigation as compared to 1993-94.

d. Selling Price Trend

Average net realisation per MT of sales (after excluding excise duty and discounts) were Rs. 61793 (1992-93), Rs. 58592 (1993-94) and Rs. 65406 (during the period of investigation). The reduction in custom duty coupled with decline in the CIF import prices from both the countries forced the Domestic Industry to sell NBR at unremunerative prices significantly below the Cost of Production.

e. Stock

Stock of the petitioners during the period of investigation ranged between 199 MT to 461 MT.

f. Profit/Loss

The petitioner has suffered financial losses from sale of NBR at prices lower than the cost of production. The Authority notes that even though the petitioner has reported profits in its published annual accounts, the same is because of sale of non-NBR items and transfer of business of M/s. Apar Ltd. In so far as its NBR operations are concerned the same are in losses.

g. Conclusion on Injury:

The Authority concludes that:

- The circumstances warrant consideration of injury on cumulative basis for imports from both the countries;
- The imports of NBR have increased in absolute terms from the two countries during the period of investigation;
- The share of Germany and Korea in the total demand in the country increased significantly during the investigation period.
- Exports from Germany and Korea forced the domestic industry to keep its prices to unremunerative levels, and prevented the domestic industry from recovering its full cost of production, resulting in losses to the Domestic Industry.

- Various indicators relating to domestic industry such as production, capacity utilisation, sales quantities, average sales realisation, stock, losses collectively and cumulatively establish that the domestic industry has suffered material injury, even though some of the parameter have shown improvement.

The Authority is thus led to the inescapable conclusion that the domestic industry has suffered material injury.

L. INDIAN INDUSTRY'S INTEREST & OTHER ISSUES

1. The purpose of anti dumping duties, in general, is to eliminate dumping which is causing injury to the domestic industry and to re-establish a situation of open and fair competition in the Indian market, which is in the general interest of the country.
2. It is recognised that the imposition of anti dumping duties might affect the price levels of the products manufactured using NBR and consequently might have some influence on relative competitiveness of these products. However, fair competition on the Indian market will not be reduced by the anti dumping measures, particularly if the levy of the anti dumping duty is limited to the amount necessary to redress the injury to the domestic industry. On the contrary, imposition of anti dumping measures would remove the unfair advantages gained by dumping practices, would prevent the decline of the domestic industry and help maintain availability of wider choice to the consumers of NBR. The Authority notes that the imposition of anti dumping measures would not restrict imports from Germany and Korea in any way, and therefore would not affect the availability of the product to the consumers. The consumers could still maintain two or more sources of supply.
3. To ascertain the extent of Anti-dumping duty necessary to remove the injury to the domestic industry, the Authority has relied upon reasonable selling price of NBR in India for the domestic industry, by considering the optimum cost of production at optimum level of capacity utilisation for the domestic industry.
4. Injury caused to the domestic industry from factors other than dumping, if any, have not been considered while recommending the amount of Anti Dumping Duty necessary to remove the injury to the domestic industry caused by dumped imports.
5. The reduction in custom duties does not affect the dumping per se. In so far as the injury is concerned, the Authority has calculated the level of injury being faced by the domestic industry after considering the custom duties prevailing during the period of investigation.
6. The Authority notes that the demand of NBR in India is more than the capacities available within the country. However, the Authority does not recommend restriction on imports or supplies from any particular source, and therefore, availability of NBR to the consumers would not be affected in the event of imposition of Anti-dumping Duty.
7. Landed Value: Since Bayer has furnished landed values of exports to India, which have been supplied to it by the indenting agent, i.e., Bayer India Ltd., the Authority has worked out the weighted average landed value on the basis of the same. In case of imports from Korea Kumho, the exporter has furnished transaction wise import details and has not furnished landed value. The Authority has, therefore, worked out landed value on the basis of weighed average CIF Export Price furnished by the exporter and

M. CONCLUSIONS

1. The Authority, after considering the foregoing, concludes that:
 - NBR originating in or exported from Germany and Korea has been exported to India below its normal value, resulting in dumping by these exporters;
 - the Domestic Industry has suffered material injury;
 - the injury has been caused cumulatively by the imports from Germany and Korea.
2. The Authority considers it necessary to impose anti dumping duties provisionally, pending final determination, on all imports of NBR originating in or exported from Germany and Korea in order to remove material injury to the domestic industry, pending investigation.
3. The Authority considered whether a duty lower than the dumping margin would be sufficient to remove the injury. The weighted average landed price of the imports for each exporter, for the purpose, was compared with the fair selling price of the domestic industry, determined for the period of investigation. Wherever the difference was less than the dumping margin, a duty lower than the dumping margin is recommended. Accordingly, it is proposed that provisional anti dumping duties as set out below be imposed, from the date of notification to be issued in this regard by the Central Government, on all imports of NBR, falling under Chapter 40 of the Customs Tariff, originating in or exported from Germany and Korea, pending final determination.

S. No.	Name of the Exporter	Amount of Duty (Rs. per MT)
1.	<u>Country of Origin : Germany</u>	
	• Bayer AG, Germany	11557
	• Exporters other than above	11557
2.	<u>Country of Origin : Republic of Korea</u>	
	• Korea Kumho Petrochemical Co. Ltd.	8975
	• Exporters other than above	8975

The known exporters, importers, petitioner, and other interested parties are being addressed separately by the Authority, who may make known their views, within forty days from the date of the despatch of the letter. Any other interested party may also make known its views within forty days from the date of publication of these findings.

DIPAK CHATTERJEE, Designated Authority and Addl. Secy.